


<p><b>भारत कोकिंग कोल लिमिटेड</b>  एक मिनी रत्न कंपनी  (कोल इंडिया लिमिटेड का एक अंग)  <b>जनसंपर्क विभाग</b>  कोयला भवन, कोयला नगर  धनबाद-826005</p>		<p><b>BHARAT COKING COAL LIMITED</b>  A Mini Ratna Company  (A Subsidiary of Coal India Limited)  <b>Public Relations</b>  KOYLA BHAWAN, KOYLA NAGAR  <b>DHANBAD-826005</b></p>
--	---	---

### प्रेस विज्ञप्ति

धनबाद नगर राजभाषा कार्यान्वयन की 54वीं छमाही समीक्षा बैठक का आयोजन केंद्रीय खनन एवं ईंधन अनुसंधान संस्थान के सौजन्य से दिनांक 18.12.2015 को पूर्वाह्न 11.00 बजे सिंफर सभागार में नाराकास के अध्यक्ष एवं बीसीसीएल के निदेशक (कार्मिक) श्री बी. के. पण्डा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस मौके पर प्रेक्षक के रूप में विशेष रूप से श्री अजय मलिक, उप निदेशक (कार्यान्वयन), क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (पूर्वी क्षेत्र), कोलकाता, राजभाषा विभाग (गृह मंत्रालय) उपस्थित रहे। इनके अलावे इस अवसर पर श्री एस.के.बसाक, महाप्रबंधक सीसीएसओ; श्री चंद्रशेखर सहाय, अंचल प्रबंधक, बैंक ऑफ इंडिया, धनबाद अंचल; श्री अमित राय, अंचल प्रबंधक, बैंक ऑफ इंडिया, हजारीबाग अंचल; डॉ. के.बी. सिंह तथा श्री संजय कुमार, सीएसआइआर के प्रतिनिधि तथा श्री पी.जी. देवघरिया विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत अध्यक्ष एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर की गई। तत्पश्चात श्री बी.के. पण्डा ने श्री अजय मलिक का सम्मान शॉल ओढ़ाकर किया।

डा. के.बी. सिंह, प्रमुख वैज्ञानिक, सिंफर ने बैठक में उपस्थित गण्यमान्य अतिथियों एवं सभी कार्यालय प्रतिनिधियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। अध्यक्ष एवं उपस्थित विशिष्ट अतिथियों ने नाराकास, धनबाद की पत्रिका "धनबाद राजभाषा संदेश" के आठवें अंक का विमोचन किया। इस अवसर पर अपनी अभिव्यक्ति के दौरान श्री चंद्रशेखर सहाय ने कहा कि राजभाषा का कार्य सर्वोपरि है, हमें इस समीक्षा बैठक को एक संकल्प के रूप में लेना चाहिए। श्री अमित राय ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि 'क' क्षेत्र में रहने के कारण हमें राजभाषा हिंदी कार्यान्वयन का पूर्ण संवैधानिक दायित्व का निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने अपने अंचल में शत-प्रतिशत यूनिकोड के प्रयोग की जानकारी दी। श्री एस.के.बसाक ने नाराकास की वेबसाइट को उपलब्ध कराने पर अध्यक्ष कार्यालय बीसीसीएल को बधाई दी और कहा कि हिंदी की प्रगति सुनिश्चित करने के लिए हमें हिंदी को मन से अपनाना है, इसके लिए सांख्यिकी आधार पर्याप्त नहीं हैं। उन्होंने नाराकास धनबाद को संपूर्ण देश में अक्वल बनाने की अपील सभी प्रतिनिधियों से की।

प्रेक्षक के रूप में उपस्थित श्री अजय मलिक ने अपने विचारों की अभिव्यक्ति के दौरान नाराकास की इस समिक्षा बैठक की भूरी-भूरी प्रशंशा यह कहते हुए कहा कि नराकास की यह बैठक अद्भूत है और यह भी प्रशंसनीय है कि नराकास की ओर से अपनी पत्रिका का नियमित रूप से प्रकाशन किया जा रहा है। उन्होंने आगे यह भी कहा कि मुझे यह देखने का पहला मौका है कि नराकास, धनबाद ने पहली बार अपनी डायरी एवं कैलेंडर भी प्रकाशित किया है, जो अन्यत्र कहीं देखने को नहीं मिला। निसंदेह इसके लिए नराकास सचिवालय की भूमिका प्रशंसनीय है, जिसकी मैं प्रशंशा करता हूँ। आगे उन्होंने कहा कि रिपोर्ट का प्रारूप और विस्तृत विवरण वाला होना चाहिए ताकि तुलनात्मक समीक्षा और बेहतर तरीके से की जा सके। उन्होंने सलाह दी कि बैठक में कार्यालय प्रमुख की सहभागिता सुनिश्चित की जाय। हिंदी के प्रयोग में विभिन्न प्रकार के उपलब्ध तकनीकी सहयोग की भी विस्तृत जानकारी दी और कहा कि हिंदी अगर विज्ञापन की भाषा हो सकती है तो व्यापार की क्यों नहीं।

अध्यक्षीय संबोधन के दौरान समिति के अध्यक्ष श्री बी.के. पण्डा ने एक बार पुनः हिंदी प्रयोग के लिए इच्छाशक्ति पर विशेष बल दिया और कहा कि मनुष्य के पास क्षमता की कमी नहीं है, हमें उसे सही दिशा में प्रयोग कराना चाहिए। धनबाद नराकास के सभी सदस्य कार्यालयों के परस्पर सहयोग से हिंदी की हो रही प्रगति की प्रशंशा की और इसे और उंचाईयों तक ले जाने की अपील भी की।

विदित हो कि इस मौके पर नराकास, धनबाद के कार्यालय प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित थे। उक्त बैठक का संचालन सचिव, नराकास श्री दिलीप कुमार सिंह ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन सिंफर के प्रशासनिक अधिकारी श्री संजय कुमार ने किया। बैठक को सफल बनाने में सिंफर अधिकारियों एवं कर्मचारियों की अहम भूमिका रही साथ में नराकास सचिवालय के श्री उदयवीर सिंह, सहायक प्रबंधक (राजभाषा) और श्री श्याम नारायण सिंह, श्री महेंद्र कुमार सिंह, श्री उपेंद्र नारायण तिवारी, श्रीमती ईशानी चौधरी और श्री अनिरुद्ध नोनिया का योगदान रहा।

उप महाप्रबंधक (जनसंपर्क)

बीसीसीएल



